डॉ मोहन यादव ने प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में किए दर्शन

भोपाल. श्री हनुमान जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को भोपाल में प्राचीन खेड़ापति हनुमान मंदिर (छोला क्षेत्र) पहुंचे, जहां सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने गदा भेंट कर उनका सम्मान किया.

द मास्टर ऑफ टाइम सम्मेलन का शुभारंभ आज

5 तक उज्जैन के समीप डोंगला डिजिटल प्लेनेटेरियम परिसर में होगा आयोजन

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 2 अप्रैल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन महाकालः द मास्टर ऑफ टाइमअंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का तारामंडल परिसर में शुभारंभ करेंगे. साथ ही उज्जैन साइंस सेंटर का लोकार्पण भी करेंगे.

सम्मेलन 3 से 5 अप्रैल तक उज्जैन के समीप डोंगला डिजिटल प्लेनेटेरियम परिसर में आयोजित किया गया है. उद्घाटन सत्र में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन और विचारक लेखक सुरेश सोनी भी शामिल होंगे. बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की पावन नगरी उज्जैन प्राचीन काल से ही काल गणना और खगोल विज्ञान के अनुसंधान की वैश्विक धुरी रही है. एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक और शोधकर्ता यहां बौद्धिक समागम के लिये एकत्रित हो रहे हैं. भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक अंतरिक्ष विज्ञान के समन्वय पर केंद्रित यह सम्मेलन देश-विदेश के वैज्ञानिकों, खगोलविदों, शिक्षाविदों, शोधार्थियों, नीति-निर्माताओं तथा अंतरिक्ष क्षेत्र के विशेषज्ञों को शोध और विचार प्रस्तुत करने का साझा मंच उपलब्ध कराएगा. उज्जैन में 15 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित नव-निर्मित साइंस सेंटर में गैलरी ऑन साइंस, आउटडोर साइंस पार्क, इनोवेशन एवं स्टूडेंट एक्टिविटी हॉल, हेरिटेज थीम आधारित गैलरी और एग्जिबिट डेवलपमेंट लैब जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं. इससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों और आमजन में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहन मिलेगा. सम्मेलन में यूएवी (मानवरहित विमान), आरसी (रिमोट कंट्रोल) तकनीक और सैटेलाइट निर्माण जैसे विषयों पर विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी.

नए बिजली ग्रिड, उच्च दाब लाइनों के कार्य जारी

भोपाल. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सिंहस्थ 2028 के मद्देनजर नए बिजली ग्रिडों एवं उच्चदाब लाइनों के कार्य के साथ अन्य जरूरी कार्य प्राथमिकता से साथ करा रही है. इससे सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी. साथ ही उज्जैन, ओंकारेश्वर नगरीय क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को भी फायदा मिलेगा. उज्जैन में तलाई क्षेत्र में नया 33/11 केवी ग्रिड बनकर बिजली वितरण प्रारंभ किया जा चुका है. वहीं चारधाम, वाल्मीकि धाम में ग्रिड का कार्य तेजी से चल रहा है, नानाखेड़ा में ग्रिड का निर्माण जल्दी प्रारंभ किया जाएगा. उज्जैन शहर में 33 केवी 20 किमी उच्चदाब लाइनों कार्य भी प्रगति पर है. वहीं 150 किमी निम्नदाब केबल स्थापना कार्य किया जा रहा है, शहर में 150 नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं.

एक नजर में

बिना मांग 2 करोड़ के फर्नीचर खरीदी का मामला

रायसेन. जिले के सिलवानी विकासखंड में विद्यालयों के लिए बिना मांग के लगभग 2 करोड़ रुपये के कॉन्फ्रेंस हॉल फर्नीचर खरीदी का मामला सामने आया है. प्राथमिक जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर एक कर्मचारी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि मामले की विस्तृत जांच जारी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिलवानी में पदस्थ एक सहायक ग्रेड-3 ने प्राचार्यों को बुलाकर अपने स्तर पर कार्यादेश तैयार कराए. इस प्रक्रिया में न तो सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति ली गई और न ही वित्तीय नियमों का पालन किया गया.

डम्पर घर में घुसा, एक की मौत, चार घायल

नरसिंहपुर. जिले के गाडरवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत कामती गांव में एक अनियंत्रित डम्पर सड़क किनारे बने घर में घुस गया, जिससे एक अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए. पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस घटना में भोजराज कौरव (50) की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई. घर में मौजूद अन्य चार सदस्य घायल हो गए, जिनमें एक बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है. घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए चक्का जाम किया, जिसे पुलिस ने समझाइश देकर समाप्त कराया. घायलों का उपचार गाडरवारा के अस्पताल में जारी है.

5 अप्रैल तक बारिश, आंधी और ओलावृष्टि का अलर्ट

इन्दौर समेत 30 जिलों में अलर्ट

40 किमी/ घंटा की गति से चलेंगी हवाएं

भोपाल, 02 अप्रैल. मध्यप्रदेश में मौसम फिलहाल काफी अस्थिर नजर आ रह है और 5 अप्रैल तक आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी रहेगा.

भोपाल और इंदौर समेत लगभग 30 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जबकि निमाड़ क्षेत्र के धार, बड़वानी और झाबुआ में ओले गिरने की आशंका है. पिछले 72 घंटों से प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश ने मौसम को अस्थिर रखा है. आगामी 24 घंटों में ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, बड़वानी, आगर-मालवा, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, देवास और शाजापुर में मौसम का असर रहेगा.

तेज हवाओं का भी खतरा है. छिंदवाड़ा, सिवनी और पांढुर्णा में हवाओं की रफ्तार 40-50 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है, जबकि अन्य जिलों में 30-40 किमी/घंटा की गति से हवाएं चलेंगी.

> फसलों और कमजोर ढांचों को नुकसान होने की आशंका है. गर्मी का असर भी बना हुआ है. नर्मदापुरम में तापमान 40 डिग्री तक पहुँच गया, जबकि रतलाम, मंडला, खजुराहो, रायसेन, दमोह और सागर में 38-39 डिग्री दर्ज किया गया. बड़े शहरों में जबलपुर 38.4 डिग्री, भोपाल 37.4 डिग्री, इंदौर 36.5 डिग्री , ग्वालियर 36.1 डिग्री और उज्जैन 35.6 डिग्री पर पहुंचा. मौसम बदलने का कारण सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन, ट्रफ लाइन, और उत्तर-पश्चिमी हिस्से में दो सिस्टम हैं. 7 अप्रैल से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे 10 अप्रैल तक मौसम अस्थिर रहेगा. अप्रैल के दूसरे हफ्ते से तेज गर्मी शुरू होगी, और महीने के अंत तापमान 44-45 डिग्री तक पहुँच सकता है.

अमानत में खयानत करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

धार. जिले में पुलिस ने किराए पर वाहन लेकर धोखाधड़ी करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. आरोपियों से तीन कार भी जब्त की गई हैं. पुलिस के अनुसार आरोपी चार पहिया वाहन किराए पर लेकर उन्हें वापस नहीं करते थे और अमानत में खयानत करते थे. लंबे समय से इनके खिलाफ शिकायतें मिल रही थीं, जिसके आधार पर कार्रवाई की गई. राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी के निर्देश पर विशेष टीम ने फरार चल रहे आरोपियों शैलेन्द्र ठाकुर, मनोज ठाकुर, धीरज प्रजापत और जीतू तिवारी को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से दो अर्टिगा कार और एक होंडा अमेज कार जब्त की गई है.

खाद्य मिलावट बढ़ने पर पटवारी ने जताई चिंता

सरकार की निगरानी व्यवस्था पर उठाए सवाल

स्पेशल संवाददाता

भोपाल. मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में खाद्य पदार्थों में तेजी से बढ़ रही मिलावट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे आम जनता के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बताया है.

पटवारी ने एक बयान में कहा कि यह मुद्दा अब सामान्य शिकायत तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि लाखों लोगों के जीवन से जुड़ा बड़ा संकट बन चुका है. एफडीए की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि 2000 से अधिक खाद्य नमूने गुणवत्ता परीक्षण में फेल पाए गए हैं. विशेष रूप से

ग्वालियर से सामने आए करीब 420 मामलों ने सरकार की निगरानी और कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. उन्होंने कहा कि यह समस्या केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे मध्य प्रदेश में फैली हुई है. उन्होंने आगे कहा कि दूध, मावा, पनीर और घी जैसे रोजमर्रा के डेयरी उत्पादों में सबसे अधिक मिलावट पाई जा रही है, जो सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है. उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी मिलावट केवल फूड पॉइजनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे डायबिटीज, हृदय रोग और हार्मोनल असंतुलन जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है. सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रशासनिक ढिलाई और राजनीतिक संरक्षण के चलते मिलावटखोरों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही है.

> उन्होंने सवाल उठाया कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही, नियमित जांच क्यों नहीं हो रही और जनता के स्वास्थ्य से जुड़े इस गंभीर मुद्दे पर सरकार मौन क्यों है. कांग्रेस नेता ने मांग की कि मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, खाद्य पदार्थों की नियमित व पारदर्शी जांच हो, दोषियों को सख्त सजा दी जाए और आम जनता को सुरक्षित व शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जाए. उन्होंने चेतावनी दी कि जनता के स्वास्थ्य से किसी भी कीमत पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा.

नाबालिग से छेड़छाड़ के बाद पडदा गांव में भारी बवाल

- ग्रामीणों का पथराव, पुलिस ने दागे अश्रु गैस के गोले
- बुलडोजर कार्रवाई पर अड़े लोग, स्थिति नियंत्रण में

मनासा. मनासा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पडदा में एक नाबालिग बालिका के साथ हुई छेड़छाड़ की घटना ने गुरुवार को हिंसक रूप अख्तियार कर लिया. आरोपी की गिरफ्तारी और त्वरित कार्रवाई की मांग को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई.

स्थिति इतनी बिगड़ गई कि भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और हल्का बल प्रयोग करना पड़ा. गांव के ही एक अधेड़ अब्दुल रहमान पर नाबालिग बालिका के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है. जैसे ही यह खबर गांव में फैली, ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा. ग्रामीण बड़ी संख्या में एकत्रित हो गए और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करने लगे. तनाव को देखते हुए पुलिस बल मौके पर पहुँचा, लेकिन ग्रामीणों का आरोप था कि पुलिस इस मामले में ढुलमुल रवैया अपना रही है. आक्रोशित ग्रामीणों और पुलिस के बीच बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया. देखते ही देखते भीड़ ने पुलिस टीम पर पथराव शुरू कर दिया.

200% मुनाफे का झांसा देकर 22 लाख ठगे

इंदौर,02 अप्रैल. स्टॉक मार्केट में निवेश पर 200 प्रतिशत मुनाफा दिलाने का लालच देकर 22 लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए राज्य साइबर सेल इंदौर ने फर्जी फर्म के डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है.

आरोपी अपने भाई के साथ मिलकर फर्जी कंपनियां बनाकर लोगों को ठग रहा था. साउथ तुकोगंज स्थित एक निजी कंपनी में एचआर मैनेजर पद पर कार्यरत फरियादी को लिंकडइन के जरिए आरोपियों ने संपर्क किया. खुद को एशियन मार्केट सिक्योरिटीज का प्रतिनिधि बताकर उसे एक लिंक भेजा, जिससे मोबाइल में ऐप डाउनलोड कराकर रजिस्ट्रेशन कराया. इसके बाद 200 प्रतिशत

मुनाफे का झांसा देकर फरियादी से तीन अलग अलग खातों से करीब 22 लाख रुपए निवेश के नाम पर ट्रांसफर करवा लिए. आरोपियों ने बाद में मुनाफा निकालने के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स जमा करने का झांसा भी दिया. व्हाट्सएप कॉल और चैट के जरिए लगातार संपर्क में रहकर अलग अलग राज्यों के बैंक खातों में रकम डलवाई गई.

आधार कार्ड में पता बदलकर बनाता था कंपनी

आरोपी 31 वर्षीय आयुष गुप्ता निवासी चौपड़ा बाजार, जीरापुर जिला राजगढ़ अपने बड़े भाई के साथ मिलकर फर्जी फर्म बनाता था. इसके लिए वह अलग अलग जगह किराए के मकान लेकर आधार कार्ड में पता अपडेट कराता और उन्हीं पतों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर बैंक खाते खुलवाता था. आरोपी खुद को कंपनी का डायरेक्टर बताकर खाते खुलवाकर अपने भाई को सौंप देता था. तकनीकी विश्लेषण में अब तक आरोपी के नाम से 18 बैंक खातों की जानकारी मिली है, जिनमें करोड़ों रुपए का लेनदेन सामने आया है. साइबर सेल ने लोकेशन ट्रेस कर राजगढ़ जिले के जीरापुर क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार किया. पूछताछ में उसने अपराध कबूल कर लिया, जिसके बाद उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया.

हनुमान जयंती पर बालाजी मंदिर में उमड़ी आस्था

नीमच, 02 अप्रैल. जिले के हर्कियाखाल बालाजी मंदिर में इस वर्ष भी हनुमान जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसमें नीमच के अलावा राजस्थान समेत अन्य जिलों से भक्त पहुंचे. परंपरा अनुसार 15 दिवसीय धार्मिक आयोजन का समापन हनुमान जयंती के दिन हुआ.

मुख्य अतिथि कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मंदिर में पूजा-अर्चना की और यज्ञ में पूर्णाहुति दी. उनके साथ उनके पुत्र और पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत भी मौजूद रहे. कार्यक्रम में नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार , मनासा विधायक माधव मारू , सुवासरा के पूर्व मंत्री हरदीप सिंह डंग , गरोठ विधायक चंद्र सिंह सिसोदिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे.

> सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, मंदिर परिसर में पुलिस बल और बैरिकेडिंग की व्यवस्था रही. आयोजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. हर्कियाखाल बालाजी मंदिर पिछले 28 वर्षों से हनुमान जयंती पर 15 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करता रहा है, जिसमें यज्ञ, हवन, सुंदरकांड पाठ, भजन संध्या और रामलीला जैसी गतिविधियां शामिल हैं. यह मंदिर क्षेत्र का प्रमुख आस्था केंद्र है और श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं की पूर्ति की मान्यता है.

दतिया में अमानक स्तर के सफेद बिजली के तार प्रतिबंधित

भोपाल. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की अनुशंसा पर दतिया कलेक्टर स्वप्निल वानखेडे द्वारा दतिया जिले में सफेद अमानक स्तर बिजली के तारों के उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है. सफेद व अमानक स्तर के बिजली तारों के उपयोग से लगातार खेत-खलिहान, अवैध कॉलोनी एवं अन्य जगहों पर दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं. ऐसे प्रकरणों से जनहानि, पशुहानी एवं अन्य प्रकार से नुकसान हो रहा है. इन घटनाओं की रोकथाम के लिए सफेद व अमानक स्तर के बिजली के तार अब बिक्री और उपयोग के लिये प्रतिबंधित रहेंगे.

ऑटो चालक ने लौटाया 4 लाख के गहनों से भरा बैग

- ऑटो चालक ने ईमानदारी की मिसाल पेश की
- ऑटो चालक बैग लेकर पहुंचा थाने

इंदौर,02 अप्रैल. शहर में एक ऑटो चालक ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए करीब 4 लाख रुपए के गहनों से भरा बैग उसके मालिक तक सुरक्षित पहुंचाया. इस पर महिला और उसके परिजनों ने चालक का आभार जताया.

थाना प्रभारी सियाराम गुर्जर ने बताया कि बीना निवासी 24 वर्षीय वैष्णवी पटेरिया अपनी मां प्रिया पटेरिया के साथ शादी की खरीदारी के लिए इंदौर आई थीं. इसी दौरान वह अपने मौसा मुकेश तिवारी से मिलने एमवाय अस्पताल जा रही थीं. पुलक सिटी सिलिकॉन क्षेत्र से उन्होंने ऑटो नम्बर एमपी 09 आरए 5927 लिया और एमवाय अस्पताल पहुंचीं. अस्पताल पहुंचने के बाद उन्हें पता चला कि उनका बैग ऑटो में ही छूट गया है.

> बैग में सोने की चैन, झुमके, दो अंगूठियां सहित अन्य सामान था, जिसकी कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है. घबराई महिला ने तुरंत ऑटो चालक से संपर्क किया. ऑटो चालक सनी चौहान निवासी इंद्रेश नगर ने ईमानदारी दिखाते हुए बैग लेकर सीधे तुकोगंज थाने पहुंच गया. वहां महिला और उसकी मां ने बैग की जांच की, जिसमें पूरा सामान सुरक्षित मिला. इसके बाद पुलिस ने बैग फरियादी को सौंप दिया. घटना के बाद वैष्णवी पटेरिया और उनके परिजनों ने ऑटो चालक की सराहना करते हुए उसका धन्यवाद किया.

बजट अनुशासन वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट आवंटन और खर्च की नई व्यवस्था तय की

बजट का उपयोग नहीं तो राशि सरेंडर करेंगे विभाग

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 2 अप्रैल. राज्य सरकार के ऐसे विभाग जो आवंटित बजट का समय पर पूरा उपयोग नहीं कर पाएंगे, या फिर उन्हें ये संभावना दिख रही हो कि आवंटित बजट में से राशि बच जाएगी, वे विभाग अब तय समय पर बचत राशि वित्त विभाग को सरेंडर करेंगे, इस राशि को वित्त विभाग ऐसे विभागों को देगा, जिन्हें राशि की जरुरत होगी.

वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बजट आवंटन और व्यय की पारदर्शी एवं अनुशासित व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं. इसमें ये व्यवस्था तय की गई है. सरकार ने निर्देश दिया है कि जिन योजनाओं में बजट से बचत की संभावना हो, वहां विभाग समय पर समीक्षा कर 31 दिसंबर 2026 तक हुए व्यय के आधार पर 15 जनवरी 2027 से पहले बजट समर्पण की कार्यवाही सुनिश्चित करें, जिससे बची हुई राशि का उपयोग अन्य विभागों की आवश्यकताओं की पूर्ति में किया जा सके.

वित्त विभाग ने सभी विभागों को स्पष्ट किया है कि स्वीकृत बजट का उपयोग वित्तीय अनुशासन, मितव्ययता और निर्धारित त्रैमासिक सीमा के अनुरूप ही किया जाए, साथ ही नई योजनाओं पर व्यय से पहले सक्षम प्राधिकारी की अनुमति अनिवार्य होगी. वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार राजस्व और पूंजीगत व्यय के बजट शीर्षों में प्रावधानित राशि का 100 प्रतिशत आवंटन जारी किया गया है. वहीं निर्देशों के अनुसार बजट में अपरीक्षित मद के रूप में रखी गई नवीन योजनाओं पर व्यय तभी किया जा सकेगा जब सक्षम प्राधिकारी से योजना का अनुमोदन प्राप्त हो जाएगा. अनुमोदन के बाद संबंधित विभाग को इसकी जानकारी वित्त विभाग को देनी होगी, जिसके बाद ही योजना पर व्यय की अनुमति दी जाएगी. नई व्यवस्था के तहत वित्त विभाग ने विभागीय व्यय को तीन प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया है. मुक्त श्रेणी, केंद्र प्रवर्तित योजनाएं तथा सामान्य श्रेणी. मुक्त श्रेणी में वेतन-भत्ते, मजदूरी, न्यायालयीन डिक्री, छात्रवृत्ति, प्राकृतिक आपदा और ऋ ण अदायगी जैसे अत्यावश्यक व्यय शामिल किए गए हैं. इन पर त्रैमासिक व्यय सीमा लागू नहीं होगी. इसी प्रकार केंद्र प्रवर्तित और केंद्र क्षेत्रीय योजनाओं पर भी त्रैमासिक सीमा लागू नहीं होगी.

सामान्य व्ययों के लिए त्रैमासिक व्यय सीमा लागू होगी

सामान्य श्रेणी के राजस्व और पूंजीगत व्ययों के लिए त्रैमासिक व्यय सीमा निर्धारित की गई है. यह सीमा संबंधित बजट नियंत्रण अधिकारी द्वारा वार्षिक आवंटन के आधार पर तय की जाएगी. यदि निर्धारित समय तक इसमें संशोधन नहीं किया जाता है तो प्रत्येक त्रैमास के लिए 25 प्रतिशत व्यय सीमा स्वत: लागू हो जाएगी.

अनुपूरक बजट और पुनर्विनियोजन की व्यवस्था

अनुपूरक बजट प्रावधान जारी होने के बाद बजट नियंत्रण अधिकारी को 15 दिनों के भीतर व्यय सीमा का पुनर्निर्धारण करना होगा. यदि किसी बजट लाइन से दूसरी लाइन में पुनर्विनियोजन किया जाता है तो उसके अनुसार व्यय सीमा स्वत: समायोजित हो जाएगी.

चुनाव से पहले राजनीतिक दबाव के आरोप

विशेष संवाददाता

भोपाल, ,02 अप्रैल. मध्यप्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने राज्य में आगामी राज्यसभा चुनाव से पहले सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अनुचित तरीकों का सहारा लेने का आरोप लगाया है।

एक बयान में सिंघार ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस विधायकों को तोड़ने और प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब ये प्रयास सफल नहीं हो रहे, तब पुराने कानूनी मामलों को फिर से सक्रिय कर विपक्षी नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है। उदाहरण देते हुए उन्होंने कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती का उल्लेख किया,

जिन्हें 25 साल पुराने मामले में सजा सुनाई गई और दिल्ली में गिरफ्तार किया गया। वहीं, पूर्व भाजपा विधायक नरोत्तम मिश्रा से जुड़े पेड न्यूज मामले के वर्षों से सुप्रीम कोर्ट में लंबित रहने को उन्होंने दोहरे मापदंड का उदाहरण बताया। सिंघार ने यह भी आरोप लगाया कि विजयपुर (श्योपुर) के विधायक मुकेश मल्होत्रा की अयोग्यता के कारण उन्हें राज्यसभा चुनाव में मतदान से वंचित होना पड़ा। इसके अलावा सेमरिया विधायक अभय मिश्रा और भोपाल मध्य के विधायक आरिफ मसूद के खिलाफ पुराने मामलों को अचानक सक्रिय करना भी गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि ये घटनाक्रम उन विधायकों को निशाना बनाने की कोशिश है, जो राजनीतिक दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं हैं। सिंघार ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के बजाय सत्ता का दुरुपयोग करार दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे कदम जनता के विश्वास को कमजोर करते हैं और इतिहास गवाह है कि इस तरह की रणनीतियां लंबे समय तक सफल नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका जवाब देगी।